सत्र 2015-2016

प्रतिवेदन

गुणवत्ता:शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम फीडबैक

प्राध्यापक द्वारा पाठ्यक्रम मूल्यांकन फीडबैक प्रपत्र से प्राप्त जानकारी का चार बिन्दु मूल्यांकन पैमाना के आधार पर विश्लेषण किया गया जिसमे पाठ्यक्रम से संबंधित पाँच कथन निर्धारित किये गया जिन्हें क्रमशः अतिउत्तम चार दृढ़तापूर्वक सहमत, तीन अंक सहमत, दो अंक असहमत एवं न्यूनतम एक एक दृढ़तापूर्वक असहमत रखा गया है।

कुल प्राप्त प्रपत्र वाणिज्य एवं कला संकाय के प्राध्यापकों द्वारा फीडबैक प्रपत्र प्राप्त किये गये जिसका विश्लेषण निम्नानुसार है -

1. **वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता** - इस कथन पर 60 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत एवं 33.33 प्रतिशत ने सहमत पर अपनी राय व्यक्त की है। केवल 6.66 प्रतिशत प्राध्यापको ने असहमत पर अपनी राय व्यक्त की है।

2. **पठन-पाठन की गुणवत्ता कौशल विकास के अनुरुप है**- इस कथन पर 73.33 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत पर एवं 6.66 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय क्रमशः सहमत एवं दृढ़ता पूर्वक असहमत पर व्यक्त की है। केवल 13.33 प्रतिशत प्राध्यापकों ने असहमत पर अपनी राय व्यक्त की है।

3. **पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखी है** - इस कथन पर 53.33 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत पर व्यक्त की है। जबकि 33.33 प्रतिशत राय सहमत पर व्यक्त की गई। केवल 13.33 प्रतिशत ने असहमत पर अपनी राय व्यक्त की है।

4. **पाठ्यक्रम चरित्र निर्माण में सहायक है** - इस कथन पर 66.66 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत पर अपनी राय व्यक्त की है। केवल 6.66 प्रतिशत प्राध्यापकों ने असहमत पर राय व्यक्त की है।

5. पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है - इस कथन पर 66.66 प्रतिशन प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत एवं 26.66 प्रतिशत सहमत पर राय व्यक्त की है केवल 6.66 प्रतिशत ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक असहमत पर व्यक्त की है।

सुझाव के अन्तर्गत 50 प्रतिशत प्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखीकरण, प्रतियोगी परीक्षा पाठ्यक्रम के अनुसार एवं व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए।

उपरोक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ महाविद्यालय का पाठ्यक्रम वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रासिगकता एवं पठन पाठन की गुणवत्ता कौशल एवं रोजगार के अनुरुप है। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम छात्राओं के चरित्र निर्माण एवं सर्वांगीण विकास हेतु सहायक एवं परिपूर्ण है।

सुझाव के अनुसार पाठ्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षा एवं व्यावहारिक मूल्यों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम निर्माण होना चाहिए।

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

E_mail-begmkbaaccjab@mp.gov.in

Phone- 0761-2401300

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय

नेपिएर टाउन, जबलपुर (म. प्र.)

ACTION TAKEN

शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम का फीड बैक

2015-2016

I.Q.A.C द्वारा शिक्षकों पाठ्यक्रम से सम्बंधित फीडबैक किया गया, जिसमे उन्होंने पाठ्यक्रम से सम्बंधित सुझाव दिए गए । उन सुझावों के आधार पे प्रतिवर्ष कैरियर मेले का आयोजन कर छात्राओं को रोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान की गई एवं व्यवहारिक मूल्यों के उत्कर्ष के लिए प्राय सभी विभागों में व्याख्यान दिए गए साथ ही महविद्यालय में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न व्याख्यान निबंध प्रतियोगिता, देश प्रेम सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्राओं के व्यक्तित्व विकास पर कार्यक्रम किये गए।

I.Q.A.C

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

प्राचार्य

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

सत्र 2016-2017

प्रतिवेदन

गुणवत्ता: शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम फीडबैक

सत्र 2016-17 शासकीय मानकुँवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर के कला एवं वाणिज्य संकाय के प्राध्यापको द्वारा विषय पाठ्यक्रम मूल्यांकन फीड बैक से पाँच कथन के आधार पर जानकारी प्राप्त की गई। पाँच निर्धारित कथनो का मूल्यांकन चार बिन्दु पैमाने के आधार पर विश्लेषित किया गया है जिसमें अधिकतम अंक चार एवं न्यूनतम अंक एक रखा गया है। इसमें चार अंक दृढ़ता पूर्वक सहमत, तीन अंक सहमत, दो अंक असहमत एवं एक अंक दृढ़तापूर्वक असहमत को व्यक्त करते है। जिसका विश्लेषण निम्नानुसार है-

1. वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता कथन पर 81.25 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़तापूर्वक सहमत पर व्यक्त की है। 18.75 प्रतिशत ने सहमति पर राय व्यक्त की है।

2. पठन-पाठन की गुणवत्ता कौशल के अनुरुप है इस कथन पर 75 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमती पर व्यक्त की है। 12.5 प्रतिशत प्राध्यापकों ने क्रमश: सहमत एवं असहमत पर राय व्यक्त की।

3. पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखीकरण है- इस कथन पर 56.25 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमती पर 31.25 प्रतिशत राय सहमत पर तथा केवल 12.05 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय असहमत पर व्यक्त की।

4. पाठ्यक्रम चरित्र निर्माण में सहायक - इस कथन पर 62.5 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़तापूर्वक सहमत पर एवं 31.25 प्रतिशत सहमत पर अपनी राय व्यक्त की है। केवल 6.25 प्रतिशत प्राध्यापकों ने असहमत पर अपनी राय व्यक्त की है।

5. पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है - इस कथन पर 56.25 प्रतिशत प्राध्यापकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत पर व्यक्त की है। 37.05 प्रतिशत सहमत पर अपनी राय व्यक्त की है केवल 6.25 प्रतिशत राय दृढ़ता पूर्वक असहमत पर व्यक्त की गई है।

प्राप्त फीडबैक जानकारी में अधिकांश प्राध्यापकों से प्राप्त सुझाव में व्यावहारिक एवं नैतिक मूल्य के विषय वस्तु शामिल करने एवं खोल पाठ्यक्रम को जोड़ने की अनुशंसा की गई है। स्वशासी महाविद्यालय को स्वयं के पाठ्यक्रम निर्माण करने का अधिकार पूर्णत: दिया जाना चाहिए।

उपरोक्त प्राप्त फीडबैक जानकारी के विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ पाठ्यक्रम अपने उद्देश्य गुणवत्ता उन्नयन के प्राप्ति में सहायक है जो सकारात्मक मापदण्डों से परिलक्षित होता है।

Coordinator
IQAC
Govt. Markunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

E mail hegmkbaaccjab@mp.gov.in Phone- 0761-2401300

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय
नेपिएर टाउन, जबलपुर (म. प्र.)

ACTION TAKEN

शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम का फीड बैक

2016-2017

I.Q.A.C द्वारा शिक्षकों का पाठ्यक्रम से सम्बंधित फीड बैक से जो सुझाव प्राप्त हुए उनके आधार पर आचार सहित एवं नैतिक मूल्यों से सम्बंधित हैंड आउटस I.Q.A.C के द्वारा ,उन्मुखीकरण कार्यक्रम में छात्राओं को वितरित किये गए। जिसमे महाविद्यालय की आचार संहिता एवं विभिन्न निर्देशों की जानकारी उपलब्ध थी , जो छत्राओं को प्रदान की गई। खेल को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का सुझाव भी शिक्षकों से प्राप्त हुआ था। उसके अंतर्गत खेल से सम्बंधित व्याख्यान दिए गए योग से सम्बंधित जानकारी दी गई एवं आत्मरक्षा हेतु जुडो कराटे का प्रशिक्षण भी छात्राओं को दिया गया।

I.Q.A.C

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

प्राचार्य

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

सत्र 2017-2018

प्रतिवेदन

गुणवत्ता: शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम फीडबैक

शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले कला एवं वाणिज्य संकाय विषय के पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया गया। फीडबैक प्रपत्र में 5 कथन पर आधारित है जिसका मूल्यांकन 4 अंक पैमाना द्वारा किया गया है। अधिकतम अंक 4 एवं न्यूनतम अंक 1 रखा गया है। 4 अंक दृढ़ता पूर्वक सहमत, 3 अंक सहमत, 2 अंक असहमत एवं 1 अंक दृढ़ता पूर्वक असहमत को व्यक्त करते है। प्राप्त जानकारी का विश्लेषण निम्नानुसार है-

1. वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रांसगिकता कथन पर 88.23 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमत पर व्यक्त की है, 5.83 प्रतिशत राय सहमत पर और 5.86 प्रतिशत राय दृढ़ता पूर्वक असहमत पर व्यक्त की है।

2. पठन-पाठन की गुणवत्ता कौशल विकास के अनुरुप है - इस कथन पर 82.35 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमति पर व्यक्त की है। 5.88 प्रतिशत शिक्षाकों ने सहमति पर एवं 11.76 प्रतिशत राय असहमत पर व्यक्त की है।

3. पाठ्य म रोजगारन्मुखी है - इस कथन पर 52.94 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 35.29 प्रतिशत शिक्षाकों ने सहमति पर और 11.76 प्रतिशत शिक्षाकों ने असहमति पर राय व्यक्त की है।

4. पाठ्यक्रम चरित्र निर्माण में सहायक है- इस कथन पर 58.82 प्रतिशत शिक्षाकों ने दृढ सहमति पर राय व्यक्त की है। 35.29 प्रतिशत ने सहमति पर व्यक्त की केवल 5.88 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय असहमत पर व्यक्त की है।

5. पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है - इस कथन पर 64.70 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 29.41 प्रतिशत अपनी राय सहमत पर व्यक्त की है। केवल 5.88 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय असहमत पर व्यक्त की है।

शिक्षाकों द्वारा प्राप्त अधिकांश सुझाव पाठ्यक्रम को नैतिक मूल्य एवं व्यवहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए कहा गया है।

उपरोक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि कला एवं वाणिज्य विषय के पाठ्यक्रम गुणवत्ता उन्नयन में सैद्धान्तिक रुप से सकारात्मक है लेकिन व्यवहारिक दृष्टिकोण से पाठ्यक्रम में कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी एवं चरित्र निर्माण में शत प्रतिशत उद्देश्य के अनुकूल नहीं है।

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

E_mail-hegmkbaacciab@mp.gov.in

Phone- 0761-2401300

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय

नेपिएर टाउन, जबलपुर (म. प्र.)

ACTION TAKEN

शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम का फीड बैक

2017 -2018

I.Q.A.C द्वारा लिए गए पाठ्यक्रम से सम्बंधित फीडबैक में शिक्षकों ने रोजगारन्मुखी पाठ्यक्रम का सुझाव दिया गया था , उन सुझावों के आधार पर स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ के द्वारा विभिन्न व्याख्यान एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया प्रतियोगी परीक्षाओ की तयारी की जानकारी दी गयी और इससे सम्बंधित उनके कार्यक्रम किये गए। चरित्र निर्माण के लिए महाविद्यालय में महापुरषो की जीवनी पर आधारित निबंध लेखन, वाद विवाद, भाषण , पोस्टर गायन प्रतियोगिताओ का आयोजन कर उनके चरित्र निर्माण का प्रयास किया गया। नैतिक मूल्यों के लिए I.Q.A.C के द्वारा गठित क्लब के माध्यम से उन्हें स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता के सन्दर्भ में जानकारी प्रदान की गई।

I.Q.A.C

Coordinator

IQAC

Govt. Mankunwar Bai Arts & Com. Autonomous College for Women, JABALPUR (M.P.)

प्राचार्य

Principal

Govt. M.B. Arts & Commerce (Auto.) College of Women Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

सत्र 2018–2019

प्रतिवेदन

गुणवत्ता:शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम फीडबैक

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा कला एवं वाणिज्य संकाय के पाठ्यक्रम का मूल्यांकन 5 कथनों के आधार पर किया गया। फीडबैक से प्राप्त जानकारी का मूल्यांकन बिन्दू को आधार चार बिन्दू मापदण्ड निर्धारित किया गया। जिसके अनुसार विश्लेषण निम्नानुसार है–

1. वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रांसगिकता कथन पर 87.05 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ सहमति पर व्यक्त की है। 12.05 प्रतिशत राय सहमति पर व्यक्त की गई है।

2. पठन–पाठन की गुणवत्ता कौशल विकास के अनुरुप है – इस कथन पर 81.25 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमति पर व्यक्त की है। 12.05 प्रतिशत शिक्षाकों ने सहमति पर एवं 6.25 प्रतिशत राय असहमत पर व्यक्त की है।

3. पाठ्य म रोजगारन्मुखी है – इस कथन पर 62.05 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 33.25 प्रतिशत शिक्षाकों ने सहमति पर और 6.25 प्रतिशत शिक्षाकों ने असहमति पर राय व्यक्त की है।

4. पाठ्यक्रम चरित्र निर्माण में सहायक है– इस कथन पर 81.25 प्रतिशत शिक्षाकों ने दृढ सहमति पर राय व्यक्त की है। 12.25 प्रतिशत ने सहमति पर व्यक्त की केवल 6.25 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय असहमत पर व्यक्त की है।

5. पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है – इस कथन पर 75 प्रतिशत शिक्षाकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 25 प्रतिशत अपनी राय सहमत पर व्यक्त की है।

प्राप्त सुझावों में अधिकांश शिक्षाकों ने पाठ्यक्रम को व्यवहारिक एवं तकनीकी आधारित विषय वस्तु के समावेश पर विचार दिए है।

उपरोक्त जानकारी से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि पाठ्यक्रम का गुणवत्ता उन्नयन के सैद्धान्तिक पक्ष में सकारात्मक योगदान है लेकिन तकनीकी व्यवहारिक एवं नैतिक मूल्य का समावेश कम है जिसकों आगे पाठ्यक्रम में समावेश करने पर विचार करना चाहिए।

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

E mail-hegmkbaaccjab@mp.gov.in

Phone- 0761-2401300

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय
नेपिएर टाउन, जबलपुर (म. प्र.)

ACTION TAKEN

शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम का फीडबैक

2018 -2019

शिक्षकों से लिए गए फीडबैक से प्राप्त सुझाव के अंतर्गत छात्राओं के स्वास्थय के लिए आहार एवं पोषण की जानकारी स्वास्थ्य क्लब (I.Q.A.C) द्वार छात्राओं को प्रदान की गई। उनके स्वास्थय का परीक्षण किया गया। BMI एवं हीमोग्लोबिन टेस्ट, छात्राओं का किया गया एवं उन्हें आहार एवं पोषण की जानकारी व्याख्यानों के द्वारा उपलब्ध कराई गई।

रोजगारोन्मुखी के सुझावों के लिए I.Q.A.C के द्वारा बीएसएनएल ट्रेनिंग 300 घण्टे की 141 छात्राओं को प्रदान की गई एवं प्रमाण पत्र भी दिया गया। जिससे वे भविष्य में रोजगार प्राप्त कर सके। I.Q.A.C के द्वारा दीपोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय में हस्तनिर्मित स्वरोजगार मेले का आयोजन कर छात्राओं को कौशल विकास का अवसर प्रदान किया गया।

I.Q.A.C

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR

प्राचार्य

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

सत्र 2019-2020

प्रतिवेदन

गुणवत्ता: शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रम फीडबैक

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय के कला एवं वाणिज्य संकाय के विषय के पाठ्यक्रम गुणवत्ता उन्नयन के उद्देश्य के लिए महाविद्यालय के शिक्षकों से फीडबैक लिया गया। फीडबैक पाँच कथनों पर आधारित है। जिसका मूल्यांकन 04 बिन्दू मापदण्ड पर है जिसमें अधिकतम मूल्य 04 और न्यूनतम अंक 01 है। 04 अंक दृढ़ता पूर्वक सहमत, 03 सहमत, 02 असहमत एवं 01 दृढ़ता पूर्वक असहमत के लिए निर्धारित किया गया है। प्राप्त जानकारी का विश्लेषण निम्नानुसार है -

1. वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम की प्रांसगिकता कथन पर 85.71 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय दृढ सहमति पर व्यक्त की है। 14.28 प्रतिशत राय सहमति पर व्यक्त की गई है।

2. पठन-पाठन की गुणवत्ता कौशल विकास के अनुरुप है - इस कथन पर 71.42 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय दृढ़ता पूर्वक सहमति पर व्यक्त की है। 21.42 प्रतिशत शिक्षकों ने सहमति पर एवं 7.14 प्रतिशत राय असहमत पर व्यक्त की है।

3. पाठ्यक्रम रोजगारन्मुखी है - इस कथन पर 64.28 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 21.42 प्रतिशत शिक्षकों ने सहमति पर और 14.28 प्रतिशत शिक्षकों ने असहमति पर राय व्यक्त की है।

4. पाठ्यक्रम चरित्र निर्माण में सहायक है- इस कथन पर 57.14 प्रतिशत शिक्षकों ने दृढ सहमति पर राय व्यक्त की है। 28.57 प्रतिशत ने सहमति पर व्यक्त की केवल 14.28 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय असहमत पर व्यक्त की है।

5. पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है - इस कथन पर 71.42 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय दृढ़ सहमति पर व्यक्त की है। 14.28प्रतिशत अपनी राय सहमत पर व्यक्त की है एवं 14.28 प्रतिशत राय असहमत पर व्यक्त की है।

अधिकांश शिक्षकों ने अपने सुझाव में पाठ्यक्रम में व्यवहारिक एवं नैतिक मूल्य विषय वस्तु शामिल करने का विचार प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषय के पाठ्यक्रम गुणवत्ता उन्नयन के उद्देश्य को पूरा करता है क्योंकि पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता पठन-पाठन की गुणवत्ता कौशल विकास के अनुरुप एवं पाठ्यक्रम सर्वांगीण विकास हेतु परिपूर्ण है। इस कथन पर शिक्षकों का अभिमत पूर्ण सकारात्मक है। पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखी एवं चरित्र निर्माण में और अधिक सहायक हो इसके लिए सुझाव दिए गये हैं जिसको भविष्य में पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner

...negmkbaaccjab@mp.gov.in

कार्यालय प्राचार्य

Phone- 0761-2401300

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय
नेपिएर टाउन, जबलपुर (म. प्र.)

ACTION TAKEN

शिक्षक द्वारा पाठयक्रम का फीडबैक
2019 -2020

शिक्षकों से प्राप्त हुए फीडबैक से प्राप्त सुझाव के अंतर्गत रोजगार के लिए अंग्रेजी विभाग के द्वारा कैंब्रिज C.A.E से जुड़कर 60 घंटे का प्रशिक्षण 59 छात्राओं को दिया गया। अंग्रेजी विभाग के द्वारा कम्युनिकेशन स्किल छात्राओं को अंग्रेजी भाषा सिखाकर उनके कौशल का विकास किया गए । नैतिक मूलयो के विकास के लिए I.Q.A.C के द्वारा महात्मा गाँधी की 150 जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम , निबंध : पोस्टर , वाद-विवाद, लेखन , दांडी मार्च , स्वास्थ्य , स्वछता से सम्वंधित कार्यक्रम का आयोजन का छात्राओं में नैतिक मूल्यों का वीएक्स किया गया। I.Q.A.C के द्वारा ऑटिजम पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन कर छात्राओं में सामाजिक सरोकार की भावना का विकास किया गया।

I.Q.A.C

Coordinator
IQAC
Govt. Mankunwar Bai Arts
& Com. Autonomous College
for Women, JABALPUR (M.P.)

प्राचार्य

Principal
Govt. M.B. Arts & Commerce
(Auto.) College of Women
Jabalpur (M.P.)

Scanned with CamScanner